Daily Gospel Reflections in Hindi

19 September 2019

मत्ति 25 : 31 - 40
Last Judgement

संत मत्ति के 25 अध्याय के आज के सुसमाचार भाग भी आखरी न्याय विचार के बारे में सोचने के लिए हम सभी को प्रेरणा देते हैं।

संत मत्ति के 24 और 25 अध्यायों को जोशुवा के ग्रंथ से लिखी गई बातों को दोहराते हैं जोशुवा अपने लोगों को आने वाले दुख–दर्दों के बारे में कहते हैं, समझाते हैं, एवं न्यायकर्ता का आगमन के लिए उन्हें तैयार कराते हैं। कभी कभार आज के वचनों को लोग अपने व्यक्तिगत जीवन में बहुत ही गंभीरता से लिया जाता है। संत मदर तेरेसा कहती हैं। हमारा काम येसू के साथ येसू के लिए करना है। हम येसू को अपने पड़ोसियों, गरीबों, बीमारों और बेसहारा लोगों की सेवा में दर्शन करते हैं।

संत मदर तेरेसा का मिट्टी में यानि उनके दफन के दिन भी इन सुसमाचार भागों को पढ़कर संत मदर तेरेसा को याद किया था। आज के सुसमाचार के आखरी शब्द या वचन सुसमाचार के येसु की सबसे बड़ी आज्ञा को याद दिलाते हैं कि ईश्वर को सारी हृदय और सारी शक्ति और आत्मा से प्रेम करना चाहिए। अपने पड़ोसियों को भी अपने समान प्यार एवं प्रेम करना चाहिए।

प्रिय ख्रिस्तिय विश्वासियों हम इसलिए अपने जीवन में प्रेम को प्रकट कर पाते हैं क्योंकि येसू ने हमें प्रेम किया था और कर रहा है। यह हमारा विश्वास ही जीवन का एक हिस्सा है। आईये, हम अपने पड़ोसियों को प्रेम करें। अपने ईश्वर को प्रेम करें ताकि न्यायविधी में हम सफलता पायें।

Rev. Fr. Santo Pullan

©Rights Reserved. Commission for Social Communications, Diocese of Sagar 2019